नपा ने एबीसी सेंटर बनाया, लेकिन ठेकेदार नहीं मिलने से संचालन नहीं

नवभारत न्यूज

बैतूल, 30 अगस्त. नगरपालिका ने स्ट्रीट डॉग की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण के लिए पशु चिकित्सा विभाग परिसर में एबीसी सेंटर यानी पशु जन्म नियंत्रण केंद्र तो तैयार किया है, लेकिन दो माह बाद भी इसका संचालन शुरू नहीं हो सका है।

नगरपालिका ने पांच बार निकाले टेंडर

शहर की सड़कों पर आवारा कुत्तों की भरमार

परिणाम यह है कि शहर की सडकों पर स्ट्रीट डॉग झुंड दिखाई दे रहे है। कई वार्डों में स्ट्रीट डॉग दस से अधिक के झुंड में बैठे नजर आते हैं। रात में स्थिति और गंभीर हो जाती है। दोपहिया वाहन चालकों के पीछे कुत्तों का अचानक दौडना और भौंकना आम हो गया है। इससे वाहन चालक घबरा जाते हैं और कई बार संतुलन बिगडने से हादसे का खतरा बना रहता है। कुछ क्षेत्रों में स्ट्रीट डॉग का इतना आतंक है कि लोग रात के समय गली मोहल्लों में बाहर निकलने में डर रहे हैं, लेकिन नगरपालिका द्वारा शहर में स्ट्रीट डॉग को पकडने की मुहिम पिछले लंबे अर्से से नहीं चलाई जा रही है। जिन क्षेत्रों में कुत्तों की संख्या ज्यादा है, वहां के रहवासी, रात में बच्चों को भी अकेला नहीं निकलने देते। यह जरूर है कि नगरपालिका ने शिकायतें बढने पर एक समय अपने स्तर पर स्ट्रीट डॉग पकडने का अभियान भी शुरू किया था, लेकिन डॉग लवर्स की आपत्तियों के बाद अभियान बंद करना पड़ा।

हर माह एक से दो सैकड़ा लोग शिकार : शहर में स्ट्रीट डॉग के काटने की घटनाएं बढ़ते जा रही है। हालात यह है कि जिला अस्पताल में महीने भर में एक से दो सैकड़ा से अधिक लोग स्ट्रीट डॉग के काटने का शिकार होकर जिला अस्पताल पहुंच रहे है। इनमें बच्चों के शिकार होने की आशंका अधिक रहती है। समस्या केवल इंसानों तक सीमित नहीं है। पशु चिकित्सा विभाग के अनुसार शहर और आसपास के क्षेत्रों में हर माह करीब 10 से 12 पशुओं के साथ डॉग बाइट की घटनाएं सामने आ रही हैं। बकरियों को स्ट्रीट डॉग सबसे ज्यादा निशाना बना रहे हैं। इसके अलावा जिला अस्पताल की बात करे, तो रोजाना औसतन दो से तीन केस डॉग बाइट के पहुंच रहे है। जिन्हें एंटी रैबिज के इंजैक्शन लग रहे है। जिला चिकित्सालय सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे का कहना है कि कुत्ते के काटने पर एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगवाना पड़ता है। जिला अस्पताल में यह टीका निःशुल्क लगाया जाता है।

नसबंदी केंद्र बना, लेकिन संचालन का इंतजार : शहर में स्ट्रीट डॉग की संख्या नियंत्रित करने के लिए नगरपालिका ने एबीसी सेंटर शुरू किया है। पशु चिकित्सा विभाग परिसर में एबीसी सेंटर तैयार है, लेकिन सेंटर तैयार होने के बाद भी संचालन शुरू नहीं होना नगरपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

स्ट्रीट डॉग की संख्या पर नियंत्रण नहीं

शहर में स्ट्रीट डॉग की संख्या तेजी से बढ़ रही है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक शहर में स्ट्रीट डॉग की संख्या एक हजार से अधिक होने का अनुमान है। पिछले कुछ समय में स्ट्रीट डॉग की संख्या में लगातार इजाफा हुआ, जिसकी मुख्य वजह नगरपालिका द्वारा स्ट्रीट डॉग की संख्या पर नियंत्रण नहीं किया जाना है। नगरपालिका के पास शहर में स्ट्रीट डॉग का कोई आंकड़ा भी नहीं है और उनकी जनसंख्या सीजन दर सीजन बढ़ते ही जा रहे हैं। लोगों ने बताया कि स्ट्रीट डॉग झुंड में सडक पर घूमते हैं। पैदल चलने वालों पर झुंड द्वारा हमला किया जाता है। इससे लोगों के जान पर बन आती है।

स्ट्रीट डॉग को पकडने उनका टीकाकरण और बधियाकरण के लिए पांच बार टैंडर निकाले जा चुके है। लेकिन एक भी ठेकेदार सामने नहीं आया। अब छटवीं बार बार राशि बढ़ाकर पुन- टैंडर निकाले जा रहे है। उम्मीद है कि इस बार कोई ठेकेदार मिल जाये।

– संतोष धनेलिया, स्वच्छता प्रभारी, नगरपालिका बैतूल

पांच बार निविदा बुलाने के बावजूद नहीं मिला ठेकेदार

स्ट्रीट डॉग को पकडने और नसबंदी कराने के लिए नगरपालिका द्वारा पांच बार निविदा निकाली गई, लेकिन निविदा बुलाने के बावजूद कोई एजेंसी सामने नहीं आई। नतीजा यह है कि एक ओर शहर में स्ट्रीट डॉग के झुंड बढ़ते जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें नियंत्रित करने की व्यवस्था कागजों और टेंडर प्रक्रिया में उलझी है। पहले टेंडर में संचालन के लिए सालाना 15 लाख रुपए की राशि निर्धारित की गई थी। लगातार टेंडर विफल होने के बाद अब नगरपालिका ने छठवीं बार निविदा जारी करते हुए राशि बढ़ाकर 25 लाख रुपए सालाना कर दी है। लेकिन इसके बाद भी ठेकेदार सामने नहीं आ रहे है। जिसके कारण शहर में स्ट्रीट डॉग की संख्या बढ़ती जा रही है और यह समस्या लोगों के लिए परेशानी बनी हुई है।

एक नजर में

घर में घुसे संदिग्ध, चाकू दिखाने का आरोप

बैतूल। आमला थाना क्षेत्र के ग्राम बोचनवाड़ी में शनिवार रात एक घर में दो युवकों के घुसने का मामला सामने आया। घटना के बाद ग्रामीणों ने दोनों युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों ने आमला थाने पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने अपने आवेदन में घर में घुसकर परिवार के साथ मारपीट और डराने-धमकाने के आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, घटना रात करीब 12 बजे की है। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसके बाद दोनों संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया गया। शिकायत में करीब 9 लोगों के घर में घुसने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक, वृद्धा सोमती के चेहरे पर पेट्रोल डालकर उसे चाकू दिखाया गया और धमकाया गया। घर के पुरुषों को बंधक बनाने की बात भी शिकायत में कही गई है। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक नितिन उइके ने बताया कि ग्रामीणों ने दो लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस घर में घुसने की घटना के साथ युवकों के गांव पहुंचने के मकसद की भी जांच कर रही है।

तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे कांग्रेस जिलाध्यक्ष

बैतूल। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निलय विनोद डागा 4 सितंबर से जिले के विभिन्न क्षेत्रों के तीन दिवसीय सघन दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे स्थानीय जनसमस्याओं को लेकर जन-जागरण अभियान चलाएंगे। साथ ही मंडल कमेटियों, पंचायत अध्यक्षों, बीएलओ-2 और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर संगठन की स्थिति की समीक्षा करेंगे। जिला संगठन महासचिव ब्रजभूषण पांडे ने बताया कि दौरे की शुरुआत 4 सितंबर को दोपहर 1 बजे हिडली में आमसभा से होगी। इसके बाद बोधी, खोमई और कोधेलकुण्ड में संगठनात्मक बैठकें होंगी। 5 सितंबर को दोपहर 1 बजे घोड़ाडोंगरी में आमसभा के बाद भायावाड़ी और कुण्डी में मंडल कमेटियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक होगी। शाम 5 बजे वे भौरा में कृष्ण जन्माष्टमी समारोह में शामिल होंगे। दौरे के अंतिम चरण में 7 सितंबर को दोपहर 2 बजे दमजीपुरा में जन-जागरण सभा होगी। इसके बाद शाम 5.30 बजे असाड़ी में मंडल कमेटी और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

खेतों से भैंस चोरी करने वाले गिरोह के 4 आरोपी गिरफ्तार

मुलताई। थाना क्षेत्र के ग्रामो में किसानो के खेतो से मवेशी चोरी करने वाले 4 आरोपियो को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर 3 मवेशी एवं घटना में प्रयुक्त पिकअप बरामद की है।टीआई विकास पटेल ने बताया थाना क्षेत्र मुलताई के ग्राम करपा, महतपुर एवं बरई के किसानों के खेतों से अज्ञात चोरों द्वारा भैंस चोरी किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। शिकायतों पर थाना मुलताई में केस दर्ज कर विवेचना में लिया गया।लगातार हो रही पशु चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए थाना मुलताई पुलिस द्वारा विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज एवं साइबर सेल की सहायता से संदेहियों की पहचान कर 4 आरोपियों को हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ एवं विवेचना के दौरान आरोपियों की संलिप्तता सामने आने पर आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 3 भैंस तथा घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन क्रमांक एमएच 03 सीपी 0972 कुल 14 लाख 70 हजार का मशरुका बरामद कर आरोपी सुशील पिता सुनील रघुवंशी, उम्र 21 वर्ष, निवासी नावेड, थाना खोलपुर, जिला अमरावती (महाराष्ट्र) जय गावंडे पिता अविनाश गावंडे, उम्र 21 वर्ष, निवासी नावेड, थाना खोलपुर, जिला अमरावती (महाराष्ट्र) अंकित पिता कैलाश रघुवंशी, उम्र 27 वर्ष, निवासी महतपुर एवं उमेश पिता रतनसिंह रघुवंशी, उम्र 43 वर्ष, निवासी महतपुर, थाना मुलताई को गिरफ्तार किया है।उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी विकास पटेल, उपनिरीक्षक दिनेश कुमरे, उपनिरीक्षक मोहनलाल गुप्ता, प्रधान आरक्षक दिनेश बर्डे, सुशील कुमार धुर्वे, आरक्षक डुमलेश्वर,दुकाल, अरविंद पटेल, विवेक चौरे, प्रिंस अहिरवार, नरेन्द्र कुशवाह, सीताराम, सौरभ, पुष्पराज, हेमन्त एवं सेवाराम की सराहनीय भूमिका रही।

मानदेय बढ़ाने और स्थायी जॉब पॉलिसी की मांग

बैतूल। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत नवीन व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े व्यावसायिक प्रशिक्षकों की रविवार को ऑफलाइन बैठक हुई। इसमें बैतूल जिले के विभिन्न ब्लॉकों से 69 व्यावसायिक प्रशिक्षक शामिल हुए। बैठक में करीब 10 वर्षों से शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं कौशल आधारित शिक्षा दे रहे प्रशिक्षकों की समस्याओं और लंबित मांगों पर चर्चा की गई। बैठक में रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राखी के साथ मांग-पत्र भेजने की पहल पर भी चर्चा हुई। प्रशिक्षकों ने कहा कि वर्तमान में उन्हें करीब 20 हजार मासिक मानदेय पर काम कराया जा रहा है, जो मौजूदा महंगाई के हिसाब से काफी कम है। उन्होंने मानदेय बढ़ाकर कम से कम 38,600 से 40 हजार करने, प्रतिवर्ष वेतनवृद्धि देने और आउटसोर्स व्यवस्था समाप्त कर स्थायी जॉब पॉलिसी लागू करने की मांग रखी। इसके साथ ही प्रशिक्षकों ने स्कूल शिक्षा विभाग से सीधे मानदेय भुगतान, आवश्यक सेवा सुविधाएं, सवैतनिक मातृत्व अवकाश और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

मुलताई में पॉलीटेक्निक छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

मुलताई। नगर के भगतसिंह वार्ड निवासी एक पालीटेक्निक छात्र ने शुक्रवार एवं शनिवार के बीच अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।बताया जाता है भगतसिंह वार्ड निवासी अंकित इवनाती पिता अरुण इवनाती 24 साल जबलपुर के कालेज से पोलीटेक्निक की पढ़ाई कर रहा था। जो की वर्तमान में मुलताई आया हुआ था। शुक्रवार को अंकित का परिवार बाहर गया हुआ था। घर में अंकित अकेला था।शनिवार को जब परिवार के लोग घर वापस आए तो देखा की अंकित फांसी के फंदे पे लटका हुआ था। परिजनों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी, सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुंची और शव पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौपा है।पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। परिजनों के अनुसार अंकित जबलपुर में पॉलीटेक्निक की पढ़ाई कर रहा था।कयास लगाए जा रहे है की उसका एक सेमेस्टर रुक गया था, जिसके कारण वह तनाव में था। हालाँकि पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के पीछे वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है ।थाना प्रभारी विकास पटेल ने बताया कि अंकित के पिता अरुण इवनाती सेना में हैं। अंकित ने फांसी लगाकर अपनी जान क्यों दी इसका खुलासा अभी नही हो पाया है।

परमिट के बिना दौड़ रहीं निजी टैक्सियां

पाथाखेड़ा। सारनी से घोड़ाडोंगरी मार्ग पर निजी टैक्सियों के संचालन को लेकर परिवहन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में निजी वाहन बिना वैध परमिट के सवारियां ढोते हुए खुलेआम सड़कों पर दौड़ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर दावा किया जा रहा है कि करीब 30 प्रतिशत वाहन बिना परमिट के सारनी से घोड़ाडोंगरी मार्ग पर यात्री परिवहन में लगे हैं। परमिट के बिना व्यावसायिक रूप से सवारियां बैठाना परिवहन नियमों की भावना के विपरीत है। इससे जहां शासन को निर्धारित कर एवं शुल्क के रूप में मिलने वाले राजस्व को नुकसान पहुंचने की आशंका है, वहीं परमिट, टैक्स और अन्य वैधानिक शुल्क चुकाकर संचालित होने वाली टैक्सियों एवं बस संचालकों को आर्थिक प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुख्य मार्ग पर नियमित रूप से चलने वाले इन वाहनों पर परिवहन विभाग की निगरानी आखिर कितनी प्रभावी है। यदि बिना परमिट यात्री वाहन संचालित हो रहे हैं तो उनकी जांच कर आवश्यक दस्तावेजों की पड़ताल क्यों नहीं की जा रही। स्थानीय नागरिकों एवं वाहन संचालकों ने परिवहन विभाग से सारनी-घोड़ाडोंगरी मार्ग पर विशेष जांच अभियान चलाकर परमिट की जांच करने की मांग की है।

आमला-छिंदवाड़ा ट्रैक पर मिला युवक का क्षत-विक्षत शव

बैतूल। आमला-छिंदवाड़ा रेलवे ट्रैक पर एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिला है। ट्रेन की चपेट में आने से युवक का शव कई टुकड़ों में बंट गया था और उसका सिर धड़ से अलग हो गया था। घटना के तीन दिन बाद भी शव की पहचान नहीं हो सकी। रेलवे प्रबंधन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और रेलवे ट्रैक से शव के टुकड़ों को बरामद किया। मृतक की उम्र लगभग 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। युवक ने लाल रंग की टी-शर्ट पहन रखा था। उसके बाएं हाथ पर गुदने (टैटू) का निशान भी मिला है। मृतक का रंग गोरा और कद-काठी सामान्य बताई गई है। शव की अत्यधिक क्षत-विक्षत हालत के कारण पहचान करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पुलिस ने शव को सुरक्षित रूप से मर्चुरी में रखवाया और पहचान के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों में सूचना भेजी। संभावित गुमशुदगी के मामलों से भी मिलान करने का प्रयास किया गया, लेकिन तीन दिन बाद भी शव की पहचान नहीं हो पाई। पहचान नहीं होने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। नियमानुसार, शव को दफना दिया गया है। पुलिस अभी भी मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है। फिलहाल, पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि युवक ट्रेन की चपेट में कैसे आया।

मजदूर को सहायता राशि नहीं देने का आरोप

पाथाखेड़ा। सतपुड़ा पावर प्लांट में कार्यरत श्रमिकों के कथित शोषण का मामला गंभीर रूप लेता जा रहा है। आरोप है कि कुछ ठेकेदार श्रम नियमों की अनदेखी करते हुए श्रमिकों को निर्धारित पारिश्रमिक से कम भुगतान करने तथा उनके वास्तविक कार्य एवं वेतन के अनुरूप भविष्य निधि (पीएफ) अंशदान जमा नहीं करने की मनमानी कर रहे हैं। मामले में जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत दिए जाने के बावजूद अपेक्षित प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने से श्रमिकों में असंतोष व्याप्त है। श्रम कानूनों के अनुसार नियोजित श्रमिकों को निर्धारित न्यूनतम वेतन, वैधानिक सामाजिक सुरक्षा तथा पात्रता के अनुसार ईपीएफ जैसी सुविधाएं मिलना आवश्यक है। इसके बावजूद नियमों के उल्लंघन के आरोप जांच की मांग खड़ी कर रहे हैं। वहीं, सूत्रों के अनुसार पूर्व में कार्य के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुए कुछ श्रमिकों को समुचित चिकित्सकीय सहायता एवं नियमानुसार देय सहायता राशि नहीं मिलने की शिकायतें भी सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के बाद कुछ श्रमिकों को सतपुड़ा पावर प्लांट के चिकित्सालय के बजाय बैतूल अथवा नागपुर के अस्पतालों में उपचार के लिए भेजा गया और उपचार के बाद उन्हें सहायता के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। श्रम विभाग से मांग है कि मजदूरों के वेतन, उपस्थिति, पीएफ अंशदान, दुर्घटना अभिलेख और चिकित्सा सहायता की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

बीजासनी मंदिर में गूंजेगा नंद के घर आनंद भयो का जयघोष

बैतूल। नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से बैतूल गंज स्थित बीजासनी माता मंदिर जन्माष्टमी की रात भक्तिमय हो उठेगा। आगामी 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में भव्य कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिर परिसर में उत्सव का माहौल बनेगा और श्रद्धालु भक्ति में सराबोर नजर आएंगे। जन्माष्टमी को लेकर मंदिर में विशेष साज-सज्जा की जा रही है। भगवान श्रीकृष्ण के पालने को आकर्षक रूप से फूलों से सजाया जाएगा, वहीं मंदिर समिति के सदस्यों द्वारा मनमोहक एवं आकर्षक झांकियां तैयार की जा रही हैं। भगवान के आगमन पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया जाएगा। मंदिर समिति द्वारा रात्रि 8 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया है। भजन-कीर्तन के बीच जैसे-जैसे घड़ी की सुई मध्यरात्रि की ओर बढ़ेगी, श्रद्धालुओं में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म को लेकर उत्साह बढ़ता जाएगा। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा तथा महाआरती की जाएगी। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर 51 किलो मिठाई (सवा मणी), 11 किलो माखन-मिश्री, साबूदाना खिचड़ी एवं पंजरी का भोग लगाया जाएगा। महाआरती के पश्चात यह प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा। मंदिर संस्थापक एवं समिति अध्यक्ष श्री दीपक शर्मा ने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर प्रतिवर्ष मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते हैं। इस वर्ष भी मंदिर को आकर्षक रूप से सजाने के साथ ही झांकियों एवं अन्य तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

यात्रा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती

समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा पहुंची सांवलमेंढा, मंदिरों का किया भ्रमण

बैतूल। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा 30 अगस्त को मुलताई से निकली। इस दौरान यात्रा प्रमुख ग्रामों का भम्रण करते हुए आठनेर, हिड़ली होते हुए सावलमेंढा पहुंची, जहां गाजे-बाजे के साथ यात्रा ने स्थानीय मंदीरों का भ्रमण किया। तत्पश्चात यात्रा का रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में जनप्रतिनिधियों के साथ सामाजिक बंधु, संत रविदास समाज के अनुयायी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता, समानता एवं भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता पावन कलश एवं कलश रथ जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों तथा ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। कलश रथ 20 अगस्त से 10 सितंबर तक जिले में निर्धारित मार्ग के अनुसार भ्रमण करेगा। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता कलश यात्रा भैंसदेही विकासखंड में 31 अगस्त को सावलमेंढा से गुदगांव, भैंसदेही नगर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 1 सितंबर को भैंसदेही नगर से रतनपुर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 2 सितंबर को रतनपुर से भीमपुर चिरापतला भ्रमण एवं रात्रि विश्राम रहेगा। इसके अलावा घोड़ाडोंगरी विकासखंड में 3 सितंबर को यात्रा चिरापाटला से चिचोली नगर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 4 सितंबर को चिचोली नगर से पाढर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 5 सितंबर को पाढर से घोड़ाडोंगरी, चोपना भ्रमण तथा रात्रि विश्राम रहेगा। बैतूल विकासखंड में 6 सितंबर को यात्रा चोपना नगर से बडोरा बैतूल पहुंचेगी तथा रात्रि विश्राम रहेगा। वहीं 7 सितंबर को यात्रा बडोरा से बैतूल बाजार नगर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 8 सितंबर को बैतूल बाजार से खेड़ी सांवलीगढ़ भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 9 सितंबर को खेड़ी सांवलीगढ़ से बैतूल नगर भ्रमण, स्थानीय मंदिरों का भ्रमण एवं रात्रि विश्राम रहेगा तथा 10 सितंबर को बैतूल नगर भ्रमण कर शाम 6 बजे यात्रा का समापन किया जाएगा। कलश रथ के भ्रमण के दौरान जिला, ग्राम एवं चिन्हित स्थानीय रविदास मंदिरों में कलश का भव्य स्वागत किया जाएगा। इस दौरान सामूहिक आरती, गुरु वाणी पाठ, भजन संध्या, समरसता संकल्प, भजन-कीर्तन, प्रसाद वितरण, प्रभात फेरी, झांकी, दीप प्रज्ज्वलन एवं अन्य धार्मिक-सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भजन मंडली प्रतियोगिता सहित विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों के माध्यम से संत रविदास जी के विचारों और संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

राष्ट्र के विकास में भूमिका निभाएं विद्यार्थी : राने

बैतूल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड आठनेर के निर्देशन में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आठनेर में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। विकासखंड समन्वयक मधु चौहान ने कार्यक्रम की रूपरेखा और पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जिला महामंत्री कृष्णा गायकी ने कहा कि पाठ्यक्रम का उद्देश्य केवल डिग्री दिलाना ही नहीं, समाज में सामुदायिक नेतृत्व खड़ा करना भी है। विद्यार्थियों को अपने गांव के समग्र विकास में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। नगर मंडल अध्यक्ष एवं परामर्शदाता गोवर्धन राने ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाते हुए अपने ग्राम को आदर्श ग्राम बनाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम नेतृत्व क्षमता, सामाजिक संवेदनशीलता, जनभागीदारी और ग्राम विकास के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। इस दौरान नवीन विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकों के सेट वितरित किए गए। विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों ने ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम में नगर परिषद एल्डरमैन रोशन झोड़, राजू सलामे, सहित बड़ी संख्या में सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।